THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes. Dr. Sivaji, you are hijacking the AIADMK seat.

DR. YELAMANCHILI SIVAJI: I do not know whether the State Government is in touch with the Union Government to seek their help and assistance to identify the culprits. I would like to know from the Home Minister whether there is any dialogue between the State Government of Andhra Pradesh and the Union Government to identify the culprits who are responsible for this ghastly incident where more than 25 persons were charred to death including the incident of bombing that took place. Never in the history and nowhere else, persons in such a large number were charred to death. This is an issue to be handled by the Union Government and I would like the Home Minister to clarify the position.

श्री मोहम्मद खलीलुर रहमान (आन्ध्र प्रदेश) : मैडम, यह बहुत सीरीयस मामला है। इसके तहत मैं हुकूमते हिन्द से दरख्वास्त करूंगा कि फौरी तौर्ल्क से हमारे होम मिनिस्टर साहब रिएक्ट हों। कितने दिन इस वाकये को हो गए हैं, मगर इसके बावजूद कल्प्रिट को गिरफ्तार नहीं किया गया है। मैं चाहूंगा कि होम मिनिस्टर साहब इस पर बयान दें। .... (व्यवधान)

RE. ESCAPE OF THE CULPRITS INVOLVED IN BOMB BLASTS IN BOMBAY

SHRI YASHWANT SINHA (Bihar): Madam Deputy Chairman, through an unfortunate misunderstanding, it was not possible for me to be present in the House last evening because we were told that the Home Minister would be giving his reply today. But I am told that he responded to the sentiments of the House and gave his reply yesterday itself. I had participated in the discussion yesterday. Normally, I would have liked to be present here. I am sorry for that.

Since the hon. Home Minister is here, there is one question which I would ljke to raise. If he had covered it yesterday, he may say that he had covered it. But I am not awave of it because I did not see it in the newspapers. I have come across newspaper reports to suggest that a notorious drug trafficker and smuggler called Yakub Membn of Bombay and his whole family had escaped from Boimbay. He is suspected to have an hand in the Bom-•bay blasts. The newspaper reports suggest that while some members of his family left before the bombing, on Thursday, two members of his family, perhaps, including Yakub Mtemonj himself, escaped after the bombing, after the alert had been sounded and all the airports and all the exit points from Bombay were supposed to have been sealed. If this had happened, Madam. Deputy Chairman, it is a very serious lapse on the part of the administration. I would like to foe assured by the Home Minister here that this has not happened. Let him say that the newspaper reports are wrong. But if the newspaper reports are right, let him clarify this and lot him also explain to the House as to how this had taken place. Let him explain how. after this ghastly incident had taken place, such an elementary precaution was not exercised at the airport of Bombay.

THE MINISTER OF HOME AF FAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): I had covered this point yesterday while replying. Yakub Memon seems to hive left a day earlier. I am not quite sure whether some of the family members were also with him or they left thereafter. I will have to check up with the Maharashtra Government.

SHRI YASHWANT SINHA: There was a statment, which the Home Minister would recall, from the Police Chief of Bombay which said that two membevs of his family left after the bombing. This is reported in the newspapers today. Please check up and come back to the House.

RE, CREATION OF A CONTROVERSY OVER TAJ MAHAL

उपसभापति : कमला जी, आपकी क्या समस्या है ?

श्रीमती कमला सिन्हा (बिहार) : महोदया, समस्या तो मेरी नहीं है, समस्या इस देश की है और आपने मुझे इजाजत दी, इसके लिए आपका बहुत धन्यवाद । महोदया, ताजमहल को हम जानते हैं कि पृथ्वी की अष्टम आश्चर्यजनक चीजों में से एक है और सारी दुनिया के लोग इसको देखने के लिए आते हैं और इतिहास यह भी कहता है कि शाहजहां ने अपनी पत्नी मुमताज महल की मृत्यु के बाद उनकी यादगार में इसे बनाया था और उनकी खुद भी वहां पर समाधि है। इतिहास का सत्य यही है लेकिन आज इतने दिनों के बाद कुछ सिरफिरे लोग और एक बद-दिमाग राजनीतिक दल, ये ताजमहल को भी हिंदू मंदिर कहने लगे हैं और ये कहते हैं कि वहां हम पूजा करेंगे। वहां ऑलरेडी एक आंवले के पेड़ पर पूजा करनी शुरू भी कर दी। वहां के लोगों ने जब आपत्ति की तो उस पर कहा कि यह तो हमारा मंदिर है। अगर शाहजहां को भगवान मान लें तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है, खुशी होगी। शाहजहां को भगवान मान लें और मुमताज महल को मां दुर्गा मान लें तो हमें खुशी होगी लेकिन यह तो तोड़फोड़ करने वाले लोग हैं... **(व्यवधान)** तो मैं गृह मंत्री के सामने यह सवाल रखना चाहती थी ताकि गृह मंत्री के सामने यह बात आ जाए और ताजमहल की सुरक्षा ठीक ढंग से हो सके.... **(व्यवधान)**

श्री कैलाश नारायण सारंग (मध्य प्रदेश) : बी०जे०पी० कहां से आ गई इसमें... **(व्यवधान)**

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र) : महोदया, हम तो किसी को भी भगवान मान लेते हैं, ये नहीं मानते... **(व्यवधान)**

श्री कैलाश नारायण सारंग : ये बद-दिमाग किसका हुआ, किस राजनीतिक दल का यह तो बताइए।

श्रीमती कमला सिन्हा : बद-दिमाग किसका है, वह तो पता ही चलेगा... **(व्यवधान)**

श्री कैलाश नारायण सारंग : उस राजनीतिक दल का नाम तो बताइए... **(व्यवधान)**

श्रीमती कमला सिन्हा : मैं चाहती हूं गृह मंत्री इसके ऊपर ध्यान दें और ताजमहल की सुरक्षा की समुचित व्यवस्था कराएं... **(व्यवधान)**

श्री रामदास अग्रवाल (राजस्थान) : महोदया, ऐतिहासिक विवाद हमेशा चलते रहे हैं... **(व्यवधान)**

श्री कैलाश नारायण सारंग : और चलते रहेंगे।

श्री रामदास अग्रवाल : ऐतिहासिक विवाद चलते रहते हैं और ये विचारों की स्वतंत्रता का सवाल है। इसमें किसी प्रदेश का सवाल नहीं है... **(व्यवधान)**

श्री कैलाश नारायण सारंग : विवाद है और रहेगा... **(व्यवधान)**

श्री रामदास अग्रवाल : ताजमहल के बारे में कुतुबमीनार के बारे में और अन्य मामलों के अंदर हमेशा ऐतिहासिक बहस चलती रही है। इस बहस को बंद करना, बद-मिजाज कहना, यह उनकी बद-मिजाजी का सवाल है... **(व्यवधान)** यह उनकी बद-मिजाजी का सवाल है... **(व्यवधान)** यह इतिहास को बंद नहीं कर सकते, इतिहास पर ताला नहीं लगा सकते... **(व्यवधान)**